वैज्ञानिक सलाहकार समिति की नवमीं बैठक

(27 अप्रैल 2015)

इंदिरा गांधी कृषि वि”वविद्यालय

कृषि विज्ञान केन्द्र, भलेसर महासमुन्द(छ.ग.)

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की नवमीं बैठक
(27 अप्रैल 2015)

✦ कार्यसूची ✦

★ विगत वर्श (2014—15) में किए गये कार्यो का प्रस्तुतीकरण एवं चर्चा

★ आगामी कार्ययोजना (2015—16) का प्रस्तुतीकरण एवं चर्चा

—: अनुक्रमणिका :—

(अ) विगत वर्श (2014—15) में किए गये कार्यो का प्रस्तुतोकरण

1. महासमुन्द जिले की आधारभूत जानकारी
2. कृशि विज्ञान केंद्र—संक्षिप्त परिचय
3. कृशि विज्ञान केंद्र का संगठनात्मक ढ़ॉचा
4. कृशि विज्ञान केंद्र महासमुन्द की प्रमुख उपलब्धियॉ—

i. प्रि" ाक्षण कार्यक्रम
ii. अग्रिम पंक्ति प्रद" ान
iii. कृशकों के खेतों पर परीक्षण/ अनुसंधान (ऑन फार्म टेस्टिंग)
iv. प्रसार गतिविधियॉ
v. अन्य गतिविधियॉ

(ब) आगामी कार्ययोजना (2015—16) का प्रस्तुतीकरण

1. कृशक प्रि" ाक्षण
2. अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रि" ाक्षण
3. कृशकों के खेतों पर अग्रिम पंक्ति प्रद" ान
4. कृशकों के खेतों पर वैज्ञानिक परीक्षण (ऑन फार्म टेस्टिंग)
5. पिछली बैठक में दिए गए सुझावों पर अमल

(स) कृशि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द क लिए गठित वैज्ञानिक पराम”ा समिति के मनोनीत सदस्यों की सूची

महासमुन्द जिले की आधारभूत जानकारी :–

छत्तीसगढ़ के पूर्वी छोर पर बसा महासमुन्द जिला राजधानी रायपुर से 55 किमी. दूर स्थित है । महासमुन्द जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 496.30 हजार हेक्टेयर है, जिसम 315.89 हजार हेक्टयर में फसल उत्पादन किया जाता है एवं 267.64 हजार हेक्टेयर निरा फसल क्षेत्र है । कुल रकबे में से सिंचित क्षेत्र, खरीफ में 39 प्रति” ात एवं रबी में 16 प्रति” ात है । जिले की फसल सघनता 118.02 प्रति” ात है। जिले को महासमुन्द, बागबाहरा, पिथौरा, बसना एवं सरायपाली पॉच विकासखण्डों में बाटा गया है। महासमुन्द जिले की अन्य आधारभूत जानकारी निम्नानुसार है :–

क्र.	विशय वस्तु	इकाई	महासमुन्द
1	भौगोलिक क्षेत्र	हजार हेक्टयर	496.30
2.	वन का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	110.20
3.	निरा फसल का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	267.64
4.	द्वि फसली क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	48.25
5.	सम्पूर्ण कास्त का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	315.89
6.	खरीफ का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	265.59
7.	रबी का क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	50.30
	फसलों का कुल क्षेत्र	हजार हेक्टेयर	315.89
8.	फसल सघनता	प्रतिशत	118.02%
9.	कृशि के लिए अनुपलब्ध भूमि	हजार हेक्टेयर	43.55
10.	कृशि योग्य पड़ती भूमि	हजार हेक्टेयर	8.98
11.	चरागाह के अन्तर्गत भूमि	हजार हेक्टेयर	29.73
12.	पड़ती भूमि		
	(अ) चालू पड़ती(1वर्श पुराना)	हजार हेक्टेयर	3.35
	(ब) पुरानी पड़ती (2 से 5 वर्श)	हजार हेक्टेयर	5.63
13.	सामान्य वर्शा	मि.मी.	1200–1400
14.	समस्त साधनों से सिंचित क्षेत्र :–		
	1. खरीफ का सिंचित क्षेत्रफल	हजार हेक्टेयर	105.07
	2. रबी का सिंचित क्षेत्रफल	हजार हेक्टेयर	41.72
	3. खरीफ का सिंचित	प्रतिशत	39.00%
	4. रबी का सिंचित	प्रति” ात	16.00%
15	कृशक परिवार (जाति के आधार पर)		
	1. अनुसूचित जाति	संख्या	23195
	2. अनुसूचित जनजाति	संख्या	51291
	3. अन्य जाति	संख्या	119220
	योग :–		193706
16	कृशक परिवार (वर्ग के आधार पर) :–		
	1. सीमान्त	संख्या	156174
	2. लघु	संख्या	36445

	3. दीर्घ	संख्या	1087
	योग :–	**संख्या**	**193706**
17.	ग्रामों की संख्या :–		
	1. राजस्व ग्राम	संख्या	1097
	2. वीरान ग्राम + वनग्राम	संख्या	50
	कुल ग्राम :–	**संख्या**	**1147**
18.	जनसंख्या 2011 के अनुसार		
	1. पुरूश	संख्या	511475
	2. महिला	संख्या	520800
	योग :–	**संख्या**	**1032275**
20.	विद्युतीकृत ग्राम	संख्या	1090

जिले की प्रमुख फसलों की जानकारी
फसलवार क्षेत्राच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता मौसम खरीफ

इकाई–क्षेत्राच्छादन 000 हे. में

उत्पादन– 000 मे.टन में

उत्पादकता– कि.ग्रा./ हेक्टर

क्र.	**फसल का नाम**	**वर्श 2014–15 की पूर्ति**		
		क्षेत्राच्छादन	**उत्पादन**	**उत्पादकता**
1.	धान (चावल)	236.03	590.00	2500
2.	उड़द	11.61	8.13	0700
3.	मूंगफली	6.02	9.33	1650
4.	मूंग	.3.86	2.70	0700

फसलवार क्षेत्राच्छादन, उत्पादन एवं उत्पादकता मौसम रबी

क्र.	**फसल का नाम**	**वर्श 2014–15 की पूर्ति**		
		क्षेत्राच्छादन	**उत्पादन**	**उत्पादकता**
1.	ग्रीश्मकालीन धान	30.00	156.00	5200
2.	तिवड़ा	7.00	4.90	0700
3.	गेहूँ	1.70	3.40	2000
4.	राई सरसों	1.46	0.88	0600

स्त्रोत:- उप संचालक कृशि, कृशि विभाग,(2015) महासमुन्द

कृशि विज्ञान केन्द्र – संक्षिप्त परिचय :–

कृशि विज्ञान केंद्र, जिला स्तरीय एक ऐसी संस्था है जो अनुसंधानकर्ता वैज्ञानिको तथा किसानों को जोड़ने में प्रभाव" ााली कड़ी की भूमिका अदा करती है । यह कृशि प्रौद्योगिकी के हस्तान्तरण का ऐसा स्वरूप है जिसमें अनुसंधान एवं विस्तार का संयुक्त प्रबंधन है, सहभागिता आधारित कार्य" ौली है एवं सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों की सक्रिय भागीदारी है।

कृशि विज्ञान केंद्र, महासमुन्द की स्थापना क लिए वि" वविद्यालय द्वारा अधिसूचना 09 सितम्बर 2004 को जारी हुई एवं फरवरी 2005 से किराये के भवन में तथा वर्तमान में यह कार्यालय ग्राम– भलेसर, स्थित महासमुन्द में नवनिर्मित भवन में संचालित है। स्थापना के प" चात् से यह केंद्र फसल उत्पादन, फसल संरक्षण, मृदा विज्ञान, उद्यानिकी, प" ाु पालन, प्रसार, मछली उत्पादन एवं गृह विज्ञान जैसे विशयों पर किसानों के खेतों पर वैज्ञानिक परीक्षणों एवं अनुसंधानों का आयोजन एवं विकसित तकनीकों का आंकलन, नवीन विकसित दलहनी, तिलहनी एवं खाद्यान्य फसलों की उत्पादन तकनीकों के वैज्ञानिक तरीके से खेतो का कृशकों के खेतों पर अग्रिम पंक्ति प्रद" ाॅन डालना, कृशकों, कृशक महिलाओं एवं ग्रामीण युवकों के लिए व्यवसायिक प्र" ाक्षणों का आयोजन तथा कृशि एवं संबंधित विभागों के प्रसार एवं विकास कार्यकर्ताओं को कृशि की नवीनतम तकनीकों पर प्र" ाक्षणें का आयोजन करता आ रहा है। इसके अतिरिक्त कृशि तकनीक की अन्य प्रसार, विधियों, जैसे कृशक संगोश्ठी, किसान मेला, कृशक/खेत दिवस का भी आयोजन कर रहा है।

कृशि विज्ञान केंद्र के प्रमुख कार्य :–

कृशि विज्ञान केंद्र हेतु भारतीय कृशि अनुसंधान परिशद नई दिल्ली द्वारा संबंधित जिलों में कृशि विकास हेतु निर्धारित प्रमुख कार्य निम्नानुसार है :–

(1) फसल उत्पादन, फसल संरक्षण, उद्यानिकी, प" ाु पालन, मछली उत्पादन जैसे विशयों पर किसानों के खेतों पर वैज्ञानिक परीक्षणों एवं अनुसंधानों का आयोजन एवं विकसित तकनीकों का आंकलन ।

(2) नवीन विकसित दलहनी, तिलहनी एवं खाद्यान्न फसलों की उत्पादन तकनीकों के वैज्ञानिक तरीके से खेती का कृशकों के खेतों पर प्रद" ाॅन डालना ।

(3) कृशकों, कृशक महिलाओं एवं ग्रामीण युवकों के लिए व्यवसायिक प्र" ाक्षणों का आयोजन ।

(4) कृशि एवं संबंधित विभागों के प्रसार एवं विकास कार्यकर्ताओं के लिए कृशि की नवीनतम तकनीकों पर प्रf" ाक्षणों का आयोजन ।

<u>कृशि विज्ञान केंद्र का संगठनात्मक ढ़ॉचा :–</u>

कृशि विज्ञान केंद्र में कार्यक्रम समन्वयक का एक पद, विशय वस्तु वि" ोशज्ञो के 6 पद (विभिन्न विशय), कार्यक्रम सहायक के 3 पद एवं कार्यालय सहायक, स्टेनाग्राफर, प्रक्षेत्र परिचारक, वाहन चालक, मैसेन्जर एवं चौकीदार आदि के 6 पद स्वीकृत है।

वर्तमान में केंद्र में पद स्थापना निम्नानुसार है :–

कुल स्वीकृत पद	कार्यक्रम समन्वयक		विशय वस्तु वि" ोशज्ञ		कार्यक्रम सहायक		कार्यालय सहायक		कुल	
	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	स्वीकृत पद	भरे हुए पद
16	**1**	**1**	**6**	**5**	**3**	**2**	**6**	**5**	**16**	**13**

क्रमांक	पदनाम	नम	विशय
1	कार्यक्रम समन्वयक	डॉ.एम.के.वर्मा	उद्यान विज्ञान
2	विशय वस्तु वि" ोशज्ञ	डॉ.(श्रीमती) रेखा सिंह	गृह विज्ञान
3	विशय वस्तु वि" ोशज्ञ	डॉ. सौगात सासमल	मत्स्यकी
4	विशय वस्तु वि" ोशज्ञ	श्री साकेत दुबे	उद्यानिकी विज्ञान
5	विशय वस्तु वि" ोशज्ञ	डॉ. मनीश सिंह	सस्य विज्ञान
6	विशय वस्तु वि" ोशज्ञ	श्री रवो" ा के" ारी	मृदा एवं जल अभियांत्रिकी
7	विशय वस्तु वि" ोशज्ञ	रिक्त	–
8	कार्यक्रम सहायक	श्री एम.एम. हुमांयु	कोट विज्ञान
9	प्रक्षेत्र प्रबंधन	रिक्त	–
10	कम्प्यूटर सहायक	श्रीमती पुनीता कार्तिकेयन	कम्प्यूटर साइंस
11	लेखा	श्री यू.एम.उपाध्याय	स्नातकोत्तर

12	जुनि.स्टेनों एवं कम्प्यूटर आपरेटर	श्री महेन्द्र कुमार बहपगरिया	स्नातकोत्तर
13	ड्रायवर एवं मैकेनिक	श्री भानू प्रताप ध्रुव	वाहन चालक
14	ड्रायवर एवं मैकेनिक	श्री राजे” ा मारकण्डे	ट्रेक्टर चालक
15	मैसेन्जर(संदे” ा वाहक)	श्री ख्याल दास	–
16	चौकीदार	रिक्त	–

कृशि विज्ञान केंद्र महासमुन्द की प्रमुख उपलब्धियाँ

1. प्र”ाक्षण कार्यक्रम :

कृशि विज्ञान केंद्र महासमुन्द द्वारा जिले की प्रमुख फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के उद्दे” य से उन्नत उत्पादन तकनीक, समन्वित पाशक तत्व, जिले की प्रमुख अनाज, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के कीट एवं रोगों के नियंत्रण, सब्जियों में कीट एवं रोगों के नियंत्रण, म” ारूम उत्पादक तकनीक, कम खर्च में उपलब्ध पोशक आहार विशयों पर कृशक एवं महिला कृशक प्र” ाक्षण आयोजित किया गया, जिनसे करीब कृशक, कृशि महिलाएँ एवं अन्य कृशि संबंधित अधिकारी लाभांवित हुए। प्र” ाक्षणों का विवरण निम्नानुसार है :–

क्रमांक	विशय	प्रशिक्षणों की संख्या	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1.	कृशक एवं महिला कृशक प्र” ाक्षण	59	1900
2.	कृशि एवं अन्य संबंधित अधिकारियों का प्र” ाक्षण	5	130
3.	ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को रोजगारन्मुख प्र” ाक्षण	5	110
	योग –	69	2140

2. अग्रिम पंक्ति प्रद”ार्न :–

वर्श 2014–15 में कृशि विज्ञान केंद्र महासमुन्द द्वारा दलहन एवं खाद्यान फसलों पर कृशकों के खेतों पर प्रद” ार्न डाले गये। दलहनी फसलों में उडद, चना तथा धान आदि फसल की विभिन्न उन्नत उत्पादन तकनीकों पर कुल 18.92 हेक्टेयर पर अग्रिम पंक्ति प्रद” ार्न किये गये उक्त प्रद” ार्न से 99 कृशक लाभांवित हुए जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

वर्श 2014–15

क्रमांक	फसल	मौसम	रकबा(हे.)	कृशकों की संख्या

1 2 3 4 5 6 7	धान गेहूँ उड़द बैगन मछली पोशण वाटिका भीतकालीन सब्जियाँ(टमाटर, मिर्च,प्याज,पत्तागोभी,फूलगोभी)	खरीफ रबी खरीफ रबी रबी एवं खरीफ रबी एवं खरीफ रबी एवं खरीफ	5.0 5.0 5.0 0.42 2.0 0.5 1.0	10 13 11 11 04 20 30
	योग–		18.92	99

3. कृशकों के खेतों पर परीक्षण : (ऑन फार्म ट्रायल)

वर्श 2014–15 में केन्द्र द्वारा कृशकों के खेतों पर विभिन्न विशयों एवं फसलों पर तकनीकी आंकलन किया गया, जिससे 32 कृशक लाभान्वित हुए । जिसका विवरण इस प्रकार है :–

वर्श 2014–15

(1)

क्र.	फसल	मौसम	विशय	रकबा	कृशकों की संख्या
1	सस्य विज्ञान	खरीफ	धान का वर्शा आधारित सूखा रोधी किस्म का आंकलन	5.0	03
		खरीफ	धान में मृदा परिक्षण आधारित पोशक तत्व प्रबंधन का मूल्यांकन	5.0	04
		रबी	गेहूँ में रासायनिक खरपतवार नियंत्रण का मूल्यांकन	5.0	04
		रबी	उडद में रासायनिक खरपतवार नियंत्रण का मूल्यांकन	5.0	05
2	कृशि अभियांत्रिकी	रबी एवं खरीफ	भाक्तिचलित मक्का छिलाई यंत्र का मूल्यांकन	2.0.	04
3	मत्स्य उत्पादन	रबी एवं खरीफ	नर्सरी अवस्था में मछली बीज के	1.0	04

			अतिरिक्त अन्य कीट का नियंत्रण		
			मछली की नर्सरी अवस्था में सोया दूध एवं अडे का पीले भाग के उपयोग का आंकलन	1.0	04
4	उद्यानिकी	रबी	तरबूज में इथरल द्वारा मादा फूलों की वृद्धि का मूल्यांकन	0.4	04

4. प्रसार गतिविधियॉ :

प्रसार गतिविधियों के अंतर्गत कुल 15 गतिविधियों का आयोजन किया गया । जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्रमांक	प्रसार गतिविधियाँ	संख्या	लाभान्वित कृशक / प्रसार अधिकारी
1.	प्रक्षेत्र दिवस	08	350
2.	किसान गोश्ठी	02	210
3.	पूर्व प्रि" ाक्षणार्थी बैठक	02	15
4.	कृशकों के खेतों पर निदान हेतु भ्रमण	06	200
5.	किसान भ्रमण	वर्शभर	1100
6.	रेडियो वार्ता	01	समह्
7.	टी.वी. वार्ता	01	समूह
8.	के.व्ही.के. न्यूज लेटर	04	2000
9.	कृशि प्रद" ानी	05	समूह
10	व्यावसायिक प्रशिक्षण	03	185

5. अन्य गतिविधियॉ :

(1) संगवारी प्रि"ाक्षण –

आत्मा परियोजनान्तर्गत संगवारी कृशकों के लिए एक दिवसीय कृशक प्रि" क्षण का आयोजन कृशि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द में किया गया । इस प्रि" क्षण में विभिन्न विशयों जैसे सस्य विज्ञान, मत्स्य पालन, उद्यानिकी विज्ञान, कृशि अभियांत्रिकीय एवं गृह विज्ञान से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रि" क्षण कार्यक्रम के अंत में संगवारी कृशकों एवं वैज्ञानिकों द्वारा समसामयिक समस्याओं के बारे में चर्चा की गई एवं समस्याओं के निदान पर वैज्ञानिकों द्वारा महत्वपूर्ण प्रका" ा डाला गया । कार्यक्रम के दौरान संगवारी कृशकों को कृशि दिग्दि" ाका एवं कृशि पंचाग 2015 का वितरण किया गया ।

(2) पोशण वाटिका –

कृशि विज्ञान केन्द्र भलेसर, महासमुन्द में 22 एवं 23 जनवरी 2015 को दो दिवसीय कृशक प्रि" क्षण का आयोजन किया गया जिसमें 30 महिला प्रि" क्षणार्थीयों ने भाग लिया। कृशि विज्ञान प्रक्षेत्र पर 200 वर्गमीटर में 5 सदस्यों के लिए विभिन्न ऋतुओं में पोशण को ध्यान में रखते हुए फल एवं सब्जी युक्त पोशण वाटिका बनाई गई है। पोशण वाटिका का मुख्य उद्दे" य सीमित क्षेत्र में अधिक उत्पादन कर परिवार को सम्पूर्ण पोशण प्रदान करना है। रबी सीजन में पोशण वाटिका में भाकरकंद, मटर, फुलगोभी, पत्तागोभी, टमाटर, बैगन, मिर्ची, पालक, मेथी, केला, पपीता, अमरूद, मुनगा इत्यादि का उत्पादन लिया जा रहा है। पोशण वाटिका का अवलोकन कराकर महिलाओं को प्रि" क्षित किया गया ।

(3) महिला दिवस –

कृशि विज्ञान केन्द्र भलेसर में महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं को म" ारूम उत्पाद की तकनीकी जानकारी प्रदान करत हुए उन्हें दैनिक जीवन में स्वरोजगार से आय के साधनों पर चर्चाएँ की गई। महिला दिवस के अवसर पर 30 कृशक महिलाएँ कृशि विज्ञान केन्द्र भलेसर में बनाए गए पोशण वाटिका का अवलोकन कर अपने घरों में भी पोशण वाटिका बनाने के लिए प्रेरित हुई।

(4) आत्मा योजनान्तर्गत फार्म स्कूल में भागीदारी –

कृशि विज्ञान केन्द्र एवं कृशि विभाग द्वारा आत्मा योजनान्तर्गत आयोजित प्रक्षेत्र पाठ" ााला में उपस्थित होकर कृशकों को कृशि एवं कृशि से संबंधित फसलों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

(5) वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन –

कृशि विज्ञान केन्द महासमुन्द के प्रक्षेत्र पर वर्मीकम्पोस्ट का सफल उत्पादन किया जा रहा है। वर्तमान में छः कम्पोस्ट यूनिट के द्वारा लगभग 30 क्विंटल वर्मीकम्पोस्ट का उत्पादन किया गया। भविश्य में वृहद पैमाने में केंचुआ खाद के उत्पादन की संभावनाएँ है जिसका उपयोग कृशि विज्ञान केन्द्र के प्रक्षेत्र के साथ–साथ कृशकों को भी उपलब्ध कराया जाएगा ।

(6) अग्रिम पंक्ति प्रद”र्ान –

कृशि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न फसलों जैसे धान, गेहूँ, मक्का ,चना, सरसों, मटर एवं भीतकालीन सब्जियों के उन्नत किस्मों को लगभग 50 एकड़ में अग्रिम पंक्ति प्रद” र्ान में लिया गया। जिले के 45 कृशकों को बीज भण्डारण कोठी केंद्रीय भण्डार गृह निगम द्वारा प्रदान किया गया । धान एवं गेहूँ में जीरो टिल सीड ड्रील से बोवाई की गई । इस तकनीक से ग्राम–विराजपाली के कृशक आर्थिक रूप से लाभान्वित हुए।

(7) मासिक कार्य”ााला का आयोजन –

कृशि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को कृशि अधिकारियों के लिए मासिक कार्य” ााला का आयोजन किया जाता है। इस कार्य” ााला में वैज्ञानिकों एवं कृशि अधिकारियों द्वारा आगामी रबी एवं खरीफ फसलों की गतिविधियों के बारे में विस्तृत चर्चा की जाती है। साथ ही समसामायिक समस्याओं एवं उसके निदान के बारे में वैज्ञानिकों द्वारा कृशि अधिकारियों को जानकारी उपलब्ध कराई जाती है ।

अनुदे”ाक प्रक्षेत्र, महासमुन्द की आधारभूत जानकारी :–

अनुदे” ाक प्रक्षेत्र का क्षेत्रफल	– 20 हेक्टेयर
सिंचाई का स्त्रोत	– बोरवेल (3)
भवनों की उपलब्धता	– कार्यालय भवन, कृशक छात्रावास, बीज भंडारगृह, प” ाुपालन इकाई

उपलब्ध उपकरण

क्रं.	उपकरण का नाम	संख्या	खरीदने का वर्श
1.	टेक्टर	1	2005–06
2.	टेक्टर ट्राली	1	2005–06
3.	नौ नासवाला नांगर	1	2005–06
4.	लेबलर	1	2005–06
5.	सिड कम फर्टी ड्रील	1	2012–13
6.	स्प्रींकलर सेट	1	2012–13
7.	पॉवर स्पेयर	2	2011–12
8.	हेन्ड स्पेयर	2	2011–12
9.	बीज उपचार ड्रम	1	2012–13
10.	रोटावेटर	1	2010–11
11.	एम.बी. प्लाऊ	1	2005–06
12.	व्हील हो	2	2011–12
13.	ड्रीप सिस्टम	1	2012–13
14.	कम्प्युटर प्रिंटर सहित	1	2012–13
15.	ग्राउण्डनट स्ट्रीपर	4	2008–09

16.	जनरेटर	1	2011–12
17.	कम्प्युटर प्रिंटर सहित	2	2006–07

निर्माण कार्य (2014-15):–

क्र.	विवरण	भौतिक स्थिति	म्द	लागत
1	बीज भंडारगृह	पूर्ण	अधीक्षक भौतिक संयंत्र	30,000,00 / –
2	उपकरण रखने हेतु टीन भोड निर्माण	पूर्ण	प्रक्षेत्र विकास (राश्ट्रीय कृशि विकास योजना)	2,02,000 / –
3	प" ाु रखने हेतु टीन भोड निर्माण	पूर्ण	समन्वित कृशि पद्धति (राश्ट्रीय कृशि विकास योजना)	1,36,000 / –
4	सिंचाई हेतु पानी टंकी का निर्माण	पूर्ण	समन्वित कृशि पद्धति (राश्ट्रीय कृशि विकास योजना)	12,000 / –

<u>वैज्ञानिक सलाहकार समिति में दिए गए प्रमुख सुझाव एवं की गयी कार्यवाहो</u>

क्रमांक	दिये गये सुझाव	कार्यवाही
1.	कृशि विज्ञान केन्द्र में पदस्थ सभी विशयों के विशय वस्तु वि" ोशज्ञ फसल में समस्याओं की जानकारी प्राप्त होते ही कृशकों के प्रक्षेत्र में जा कर समस्याओं का निदान करें ।	विशय वस्तु वि" ोशज्ञों को कृशि विभाग/किसानों द्वारा समस्याओं का सूचना प्राप्त होते ही प्रक्षेण में जाकर समस्याओं का निदान करते है।
2.	कृशि विज्ञान केन्द्र भलेसर में फसल से संबंधित प्रद" ीन इकाई तैयार करें ताकि कृशको को फसल से संबंधित उन्नत तकनीक की जानकारी प्राप्त हो सकें ।	केन्द्र में क्राप कैफेटेरिया के माध्यम से खरीब–रबी एवं ग्रीश्मकालीन फसलों की उन्नत तकनीकों का प्रद" ीन किया जा रहा हैं
3.	महासमुन्द जिले में गेहूँ की अपेक्षा मूंगफली उत्पादन को बढ़ावा दें।	केन्द्र द्वारा मूंगफली खरीफ तथा ग्रीश्म ऋतु में सफलतापूर्वक केन्द्र के प्रक्षेत्र में प्रदर्" ीत किया गया।
4.	गर्मी में नदी के किनारे लिए जाने वाले फल एवं सब्जी वाली फसल को बढ़ावा देने हेतू उन्नत कृशि तकनीक का प्रद" ीन कर कृशकों को मार्गद" ीन करें ।	नदी के किनारे ली जाने वाली तरबूज की उन्नत तकनीक का परीक्षण इस वर्श किया जावेगा एवं उद्यानिकी वि" ोशज्ञ कृशकों को सम्बन्धित विशयों पर

		प्रf" ा़क्षण देंगें।
5.	कृशकों के खेतों पर लिए गए अग्रिम पंक्ति प्रद" र्न एवं ऑन फार्म टेस्टिंग का प्रद" र्न लिए गए है उन विशयों पर विशय वस्तु वि" ोशज्ञो द्वारा एक दिवसीय प्रf" ा़क्षण कार्यक्रम कराया जाए ।	अग्रिम पंक्ति प्रद" र्न एवं कृशक प्रक्षेत्र प्रशिक्षण का प्रद" र्न उपरांत कृशकों के खेतों पर प्रf" ा़क्षण कार्यक्रम कराया गया।
6.	कृशक खेत का मृदा परीक्षण कर पोशक तत्व प्रबंधन करें इसके लिए मृदा परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराएं।	कृशक खेत का मृदा परीक्षण चलित वाहन द्वारा जिले में तीस दिन माह जून में की जायेगी।
7.	मूंगफली की उन्नत किस्म कृशकों को प्रदान कराई जाए ।	कृशि विभाग के सहयोग से मुंगफली की उन्नत किस्मे कृशकों को उपलब्ध कराई गई।

8.	किसानों का समूह बनाकर सूक्ष्म सिंचाई पद्धति से सब्जी की खेती के लिए परियोजना बनायें।	किसानों को सूक्ष्म सिंचाई पद्धति के लिए भाासन द्वारा चलाई जाने वाली योजना का प्रचार प्रसार केन्द्र के द्वारा किया गया।
9.	रबी धान क क्षेत्रफल को कम कराने हेतू अन्य उपयुक्त विकल्प का प्रद" र्न करें।	रबी में केन्द्र द्वारा गेहूँ, कुसुम, सरसों, मक्का, मटर तथा भीतकालीन सब्जियों का प्रद" र्न कृशि विज्ञान केन्द्र में किया गया।
10.	उड़द के उन्नत किस्म तथा फसल उत्पादन प्रबंधन का प्रद" र्न करने के लिए सुझाव दिया गया ।	उड़द की उन्नत किस्म (TAU-94-2) तथा उत्पादन का प्रद" र्न कृशि विज्ञान केन्द्र में खरीफ में किया गया।
11.	कृशि अभियांत्रिकी को बढ़ावा देने के लिए, जीरो सीड–कम फर्टिलाइजर ड्रील, सीड एवं फर्टिलाइजर ड्रील, पेडी ट्रान्सप्लाटर आदि का प्रद" र्न करें।	किसानो के खेत में कृशि म" ाीनरी के प्रद" र्न हेतु कृशि अभियांत्रिकी, रायपुर में चर्चा की गई है एवं प्रक्षेत्र के आगामी समय में सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल के द्वारा बुवाई की जाएगी।
12.	प्रक्षेत्र की द" ाा को देखते भाुश्क उद्यानिकी	वि" वविद्यालय, जिला पंचायत एवं

	फसलों का समावे" ा कर प्रद" िन इकाई के रूप में विकसित करें।	नाबार्ड में भुश्क उद्यानिकी के मातृ उद्यान स्थापना की कार्य योजना स्वीकृति हेतु लंबित है।

वार्शिक कार्ययोजना 2015–16

कृशि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द द्वारा कृशक, महिला कृशक, ग्राम स्तर पर प्रसार कार्यकर्ता एवं ग्रामीण युवाओं से चर्चा करके उनकी कृशि संबंधी समस्याओं, उपलब्ध संसाधनों को पहचान कर कृशकों के सुझावों को सम्मिलित कर एवं वैज्ञानिक आधार पर इन समस्याओं के हल हेतु वर्श 2014–15 की कार्य योजना बनाइ गई है। इस कार्य योजना में कृशि संबंधी समस्याओं के हल हेतु कृशि विज्ञान केन्द्र के चार प्रमुख उद्दे" य को अपनाया गया है।

(1) कृशक प्रि"ाक्षण :–

कृशि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द द्वारा वर्श 2015–16 में कृशि व संबंधित विशयों पर कृशक व महिला कृशकों को लगभग 66 प्रि" ाक्षण देना प्रस्तावित है, जिसमें लगभग 1650 कृशक व महिला कृशकों के लाभांवित होने का अनुमान है।

यह प्रि" ाक्षण विभिन्न विशयों जैसे महासमुन्द के प्रमुख फसलों का उत्पादन तकनीक पोशक तत्व प्रबंधन, जैविक खेती, बीजोपचार, विभिन्न फसलों में समन्वित कीट प्रबंधन, मिट्टी

परीक्षण, अतिरिक्त आय अर्जन, मतस्य उत्पादन, म" ारूम उत्पादन तकनीक, खरपतवार नियंत्रण, पोशक बाड़ी संवर्धन, उन्नत यंत्रों के प्रयोग पर प्रस्तावित हैं, जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

क्रमांक	विशय	प्रशिक्षण की संख्या	कृशकों की संख्या
1.	कृशि अभियांत्रिकी	11	275
2.	गृह विज्ञान	12	300
3.	सस्य विज्ञान	13	325
4.	उद्यानिकी	14	350
5.	मत्स्य उत्पादन	16	400
	योग –	**66**	**1650**

(2) अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्र"ाक्षण :–

कृशि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द द्वारा वर्श 2015–16 में लगभग 280 कृशि प्रसार कार्यकर्ताओं एवं अधिकारियों को प्र" ाक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है । इस प्र" ाक्षण कार्यक्रम में प्रसार कार्यकर्ताओं व अधिकारियों को प्र" ाक्षण के साथ–साथ वि" वविद्यालय में हो रहे नवीन अनुसंधान एवं प्राप्त परिणामों के बारे में जानकारी दी जाएगी ।

(3) कृशकों के खेतो पर अग्रिम पंक्ति प्रद"ान :–

कृशि विज्ञान केन्द्र द्वारा वर्श 2015–16 में कृशि एवं कृशि से संबंधित फसलों पर कृशकों के खेतों में लगभग 25.0 हेक्टेयर में अग्रिम पंक्ति प्रद" ान लेना प्रस्तावित है । अग्रिम पंक्ति प्रद" ान का विवरण निम्नानुसार है :–

क्रमांक	फसल	मौसम	रकबा(हे.)	कृशको की संख्या
1	म" ारूम	खरीफ एवं रबी	01	10
2	फल एवं सब्जी	खरीफ एवं रबी	05	25
3	थ्तल	खरीफ	05	12
4	धान	खरीफ	05	12
5	चना	श्रबी	05	12
6	भाकरकन्द	श्रबी	02	10
7	मछली	खरीफ एवं रबी	02	04
	योग –		**25**	**85**

कृशि विज्ञान केन्द्र महासमुन्द के लिए गठित
वैज्ञानिक पराम”ा समिति के मनोनीत सदस्यों की सूची

क्रमांक	विभाग	मनोनीत पद
1	माननीय कुलपति, इं.गां.कृ.वि.वि.,रायपुर	अध्यक्ष
2	निदेशक विस्तार सेवायें, इं.गां.कृ.वि.वि.,रायपुर	सदस्य
3	जोनल को आर्डिनेटर जोन–7, ज.ने.कृ.वि.वि.,आधार ताल जबलपुर	——,,——
4	उप संचालक कृषि, कृषि विभाग, महासमुन्द	——,,——
5	उप संचालक, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग, महासमुन्द	——,,——
6	सहायक संचालक उद्यान, उद्यानिकी विभाग, महासमुन्द	——,,——
7	सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी, महासमुन्द	——,,——
8	वन मंडलाधिकारी महासमुन्द	——,,——
9	सहायक संचालक मत्स्यकी विभाग, महासमुन्द	——,,——
10	कार्यपालन अभियंता, सिंचाई विभाग, महासमुन्द	——,,——
11	महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, महासमुन्द	——,,——
12	प्रबंधक, जिला लिड बैंक (देना बैंक),महासमुन्द	——,,——
13	सहायक संचालक, जिला जन सम्पर्क कार्यालय, महासमुन्द	——,,——
14	सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड, महासमुन्द	——,,——

15	प्रबंधक / प्रक्षेत्र प्रबंधक इफको, महासमुन्द	——,,——
16	कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, महासमुन्द	——,,——
17	परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, महासमुन्द	——,,——
18	श्री मनराखन ठाकुर लघु कृषक, महासमुन्द	——,,——
19	श्री अरूण चन्द्राकर दीर्घ कृषक, महासमुन्द	——,,——
20	श्री रविन्द्र चन्द्राकर कृषक, मालीडीह, महासमुन्द	——,,——
21	श्री संजय चन्द्राकर, दीर्घ कृषक, महासमुन्द	——,,——
22	श्री कुलेश्वर सिंह ठाकुर, कृषक बड़गॉव, महासमुन्द	——,,——
23	श्रीमती राही बाई, कृषक, परसाडीह, महासमुन्द	——,,——
24	श्रीमती राधा बाई, कृषक, परसाडीह, महासमुन्द	——,,——
25	श्री रामाधीन सिन्हा, कृषक भलेसर, महासमुन्द	——,,——
26	श्री किशन लाल पटेल, दीर्घ कृषक, सरायपाली	——,,——
27	श्री खिलावन साहू जी, सरपंच, भलेसर, महासमुन्द	——,,——

Participants of VTP Mushroom Spawn Production

Practical on Mushroom Spawn Production

Training on Warehousing

Distribution of Storage Bin to participants of Warehouse training

Swachata Abhiyan at KVK

Dr. Vimal Chopra, MLA visited KVK during Sangwari Trainig